10 सीखो

B7W4B8

– श्रीनाथसिंह

प्रस्तुत कविता प्रसिद्ध रचनाकार श्री श्रीनाथसिंह द्वारा रची गई है। जीवन में प्रकृति का बहुत ही महत्त्व है। इस कविता में कवि ने प्रकृति में मौज़ूद विभिन्न चीजोः फूल, भौंरे, सूरज, पेड़, पृथ्वी इत्यादि से कुछ न कुछ सीख लेने की प्रेरणा दी है।

फूलों से नित हँसना सीखो
भौंरों से नित गाना ।
तरु की झुकी डालियों से नित
सीखो शीश झुकाना ।

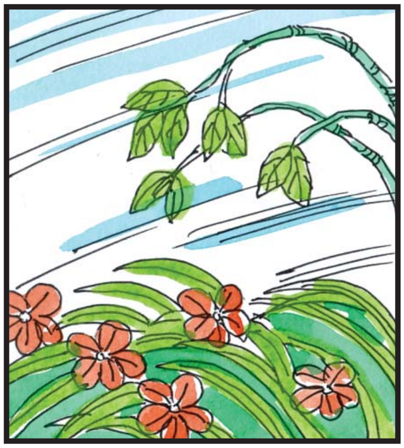

सीख हवा के झोंकों से लो
कोमल भाव बहाना ।
दूध तथा पानी से सीखो
मिलना और मिलाना ।

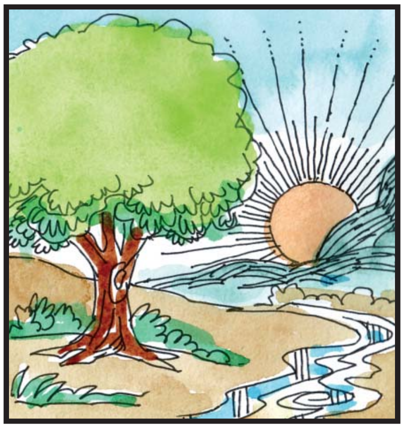

सूरज की किरणों से सीखो
जगना और जगाना ।
लता और पेड़ों से सीखो
सबको गले लगाना ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

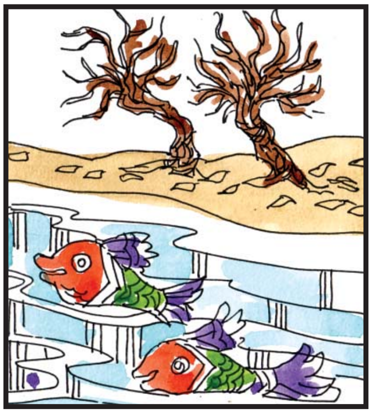

मछली से सीखो स्वदेश के
लिए तड़पकर मरना ।
पतझड़ के पेड़ों से सीखो
दुःख में धीरज धरना ।

दीपक से सीखो जितना
हो सके अँधेरा हरना ।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की
सच्ची सेवा करना ।

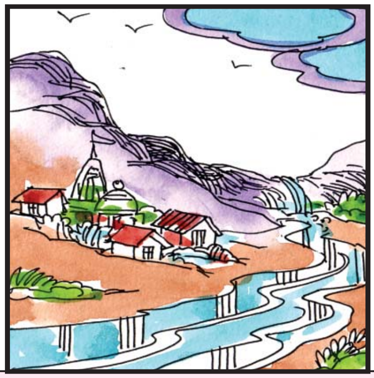

जलधारा से सीखो आगे
जीवन-पथ में बढ़ना ।
और धुएँ से सीखो हरदम
ऊँचे ही पर चढ़ना ।

शब्दार्थ

फूल पुष्प **सूरज** रवि, भानु **नित** सदा, प्रतिदिन **लता** वेल **भौंरा** मधुकर, भँवरा **पतझड़** पत्ते झड़ने की ऋतु, पानखर (गुज) **तरु** पेड़, वृक्ष **धीरज** धैर्य, धीरता **हवा** वायु, पवन **पृथ्वी** धरा, अवनी **कोमल** नाजुक, मुलायम **जलधारा** पानी की धारा या प्रवाह **पानी** जल, नीर

मुहावरे

शीश झुकाना	विनम्र होना।
कोमल भाव बहाना	सुन्दर विचार प्रकट करना।
ऊँचे चढ़ना	उन्नति करना।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अभ्यास

1. पढ़िए और बोलिए :

हँसना, भौंरा, स्वदेश, तड़पकर, अँधेरा, पृथ्वी, धुआँ, ऊँचा

2. कविता का सामूहिक और व्यक्तिगत गान कीजिए ।

3. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) कविता में प्रकृति के किन-किन तत्त्वों की बात कही गई है ?

(2) स्वयं देखे हुए प्रकृति की अन्य चीजों के नाम दीजिए ।

4. किससे क्या सीखें ? सोचकर बताइए :

(1) दीपक से

(2) भौंरों से

(3) फूलों से

(4) हवा से

(5) दूध और पानी से

(6) सूरज की किरणों से

(7) लता और पेड़ों से

(8) धुएँ से

(9) मछली से

(10) जलधारा से

(11) पृथ्वी से

(12) पतझड़ के पेड़ों से

5. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार लिखिए और स्वरभार देकर पढ़िए :

जैसे -1. मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।

- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया।
3. किसान ने बैल को रस्सी से कसकर बाँधा।
4. बगीचे में तितलियाँ मंडराने लगीं।
5. मैं कल रामपुर गया था।

W6E4D3

स्वाध्याय

1. सही जोड़े मिलाइए :

अ	ब
(1) फूल	(1) स्वदेश के लिए तड़पकर मरना
(2) जलधारा	(2) सबको गले लगाना
(3) मछली	(3) हँसते रहना
(4) पृथ्वी	(4) उन्नति करना
(5) धुआँ	(5) जीवनपथ में आगे बढ़ना
	(6) सेवा करना
	(7) शीश झुकाना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) दु:ख में हमें क्या करना चाहिए ?
(2) सूरज की किरणों से हमें क्या सीख मिलती है ?
(3) कोमल भाव बहाने की सीख हमें कौन देता है ?
(4) अँधेरा कौन दूर करता है ?

3. कविता में से निम्नलिखित भावार्थवाली पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए :

(1) सुख हो या दु:ख हो, हमें हमेशा हँसते रहना चाहिए।
(2) हमें हर एक प्राणी की सेवा करनी चाहिए।
(3) हमें सदैव प्रगति करनी चाहिए।
(4) हमें सबसे हिलमिलकर रहना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. कविता में से संज्ञा, विशेषण और क्रियापद शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

संज्ञा	विशेषण	क्रिया
जैसे : सूरज	सच्चा	गाना
______	______	______
______	______	______
______	______	______

5. आपने उपर्युक्त कोष्ठक में विशेषण और क्रिया के जो शब्द लिखे हैं, उनका वाक्यप्रयोग कीजिए।

जैसे -
- मोहन सच्चा बालक था।
- रीटा गीत गाती है।

योग्यता-विस्तार

❒ इनसे आप क्या सीखेंगे ? चर्चा कीजिए ।

- कुत्ता
- हंस
- सियार
- बुलबुल
- मधुमक्खी
- अगरबत्ती
- नदी
- चींटी
- मकड़ी
- कंगारू

■ क्या तुम अपने आस-पास की चीजों से भी कुछ सीख सकते हो ? यदि 'हाँ' तो लिखो कि किससे क्या सीखोगे ?

■ कविता में किसी न किसी से कुछ न कुछ सीख लेने की बात कही गई है। अगर हम किसी से कुछ भी न सीखें तो क्या होगा ? अपने विचार लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in